आवाज़ ... आम आदमी की

इन्क़िलाबी नज़र

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 30 अप्रैल 2026

वर्ष 18 अंक 236 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़िवादी चीज की आलोचना करनी होगी , उसमें अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
-भगत सिंह

तापमान - अधिकतम 39.3°C (-0.2) न्यूनतम 27.3°C(+4.2) सेंसेक्स 77,496.36 (+609.45) निफ्टी 24,177.65 (+181.95) सोना 1,51,590 चांदी 2,55,000 मुद्रा - डालर 94.82 दिरहम 25.81 रियाल 25.28

डॉक्टरों व छात्रों को हेल्थकेयर की नई तकनीकों से कराया परिचित

एरा यूनिवर्सिटी में एआई पर हुई वर्कशॉप

लखनऊ (सं)। बदलते स्वास्थ्य परिदृश्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से चिकित्सा क्षेत्र का हिस्सा बन जा रहा है। मरीजों की जांच, उपचार योजना और डेटा विश्लेषण से लेकर अस्पताल प्रबंधन तक एआई आधारित तकनीकें स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दे रही हैं। इसी कड़ी में एरा यूनिवर्सिटी में 'हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए डिजिटल तैयारी और प्रगति के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विषय पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई।

कुलपति प्रो. अब्बास अली मेहदी के निर्देशन में वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय की साइंस फैकल्टी के कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों, शिक्षकों और छात्रों को आधुनिक डिजिटल तकनीकों तथा एआई के व्यावहारिक उपयोग से परिचित कराना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स, फैकल्टी सदस्यों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता डॉ. निमिष कपूर ने स्वास्थ्य सेवाओं में एआई की बढ़ती भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि भविष्य का हेल्थकेयर डेटा आधारित, अधिक सटीक और तकनीक-संचालित होगा, ऐसे में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए डिजिटल रूप से तैयार होना अनिवार्य है। उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स और उनके उपयोग का लाइव प्रदर्शन भी किया, जिससे प्रतिभागियों को तकनीक के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का अवसर मिला। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव गतिविधियों और प्रश्नोत्तर सत्र में हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने बताया कि एआई आधारित तकनीकें न केवल मरीजों की बेहतर देखभाल सुनिश्चित कर सकती हैं, बल्कि अस्पतालों की कार्यप्रणाली को भी अधिक प्रभावी बना सकती हैं। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. निमिष कपूर को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं छात्रों और स्वास्थ्य पेशेवरों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इसे हेल्थकेयर शिक्षा और तकनीकी नवाचार के समन्वय की दिशा में अहम पहल बताया। कार्यशाला के संयोजक प्रो. संतोष कुमार और सह संयोजक प्रो. अरविन्द कुमार श्रीवास्तव थे।